मंगलवार
12 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

हड्डियों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही हैं ये ड्रिंक्स, इन से बना लें अभी से ही दूरी

पृष्ठ 5

चंद्रमुखी 2 एक दिलचस्प हॉरर कॉमेडी फिल्म

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 215
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुजर कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।

– रामधारी सिंह दिनकर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उत्तराखंड को 141 पीएम श्री स्कूल्स की सौगात

❑केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने किया विद्या समीक्षा केंद्र का लोकार्पण

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड दौरे पर दून आए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज राज्य को 141 पीएम श्री स्कूल्स की बड़ी सौगात दी। विद्यालई शिक्षा महानिदेशालय नुनुर खेड़ा में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा राज्य में 141 पीएम श्री स्कूल्स का शिलान्यास करने के साथ अन्य कई योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत सहित तमाम गणमान्य लोग व अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि आज केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा राज्य में जिन 141 पीएम श्री स्कूल्स का शिलान्यास किया गया है उसके तहत हर एक ब्लॉक में 2

❑अब शिक्षा संबंधी सभी जानकारियां ऑनलाइन
❑सुभाष चंद्र बोस छात्रावास का किया शिलान्यास

पीएम श्री स्कूल्स स्थापित किए जाने की योजना है। वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा आज महानिदेशालय में जिस विद्या समीक्षा केंद्र का लोकार्पण किया गया है उसके माध्यम से अब पूरे राज्य के सभी स्कूलों को ऑनलाइन जोड़ने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि अब सभी स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों की ऑनलाइन निगरानी की व्यवस्था होगी। उनकी उपस्थिति से लेकर स्कूल की व्यवस्थाओं और सभी गतिविधियों की हर रोज समीक्षा हो सकेगी। उनका कहना है कि स्कूलों में अब किसी भी तरह की धांधली या लापरवाही नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि इस नई और आधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्था से शिक्षा की गुणवत्ता और स्तर में भी बड़े सुधार आएंगे। स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति से लेकर शिक्षकों की उपस्थिति और अध्यापन कार्य की समीक्षा से हर रोज सही जानकारी मिल सकेगी। जो शिक्षक अपनी ड्यूटी ठीक से नहीं करते हैं या किसी भी तरह की लापरवाही बरतते हैं उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी और अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षक व छात्र कल्याण से जुड़ी कई योजनाओं की घोषणा भी की है। आज राज्य में बनने वाले श्रीनगर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

राज्य में पहली सेवा क्षेत्र नीति को मंजूरी

विशेष संवाददाता

देहरादून। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए उत्तराखंड सरकार ने आज सचिवालय में सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश की पहली सेवा क्षेत्र नीति को अपनी मंजूरी दे दी है।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए मुख्य सचिव एसएस संधू ने बताया कि इसके साथ-साथ कैबिनेट ने पंप स्टोरेज पॉलिसी को भी मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि सचिवालय प्रशासन में निजी सचिव परीक्षा मामले में न्यायालय गए चार अभ्यर्थियों को अनुमन्य किया गया है तथा ओली में पर्यटन विकास के लिए औली विकास प्राधिकरण बनाने को भी सरकार ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि कैबिनेट में सीएनजी में वेट को शून्य कर दिया है क्योंकि उधम सिंह नगर में गैस आधारित संयंत्र को चलाने के लिए विदेश से आने वाली गैस पर वेट शून्य था। कैबिनेट द्वारा बद्रीनाथ मास्टर प्लान के तहत बद्रीनाथ का इतिहास विभिन्न कलाकारों के द्वारा दर्शाने के लिए आईएनआई डिजाइन स्टूडियो को काम दिया जाएगा। ऊर्जा विभाग के पीक आवर में पंप स्टोरेज पर पॉलिसी

❑कैबिनेट की बैठक में लिया गया फैसला, 25 फीसदी जाएगी सब्सिडी
❑स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में निवेश को मिलेगा बढ़ावा

बनाई गई जिसके तहत 12 फीसदी बिजली राज्य को नहीं देनी पड़ेगी। इसके लिए लैंड अलॉटमेंट शीघ्र होगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, हॉस्पिटैलिटी, वैलनेस सेंटर, शिक्षा, फिल्म व मीडिया स्पोर्ट आईटी को शामिल करते हुए सेवा क्षेत्र पॉलिसी बनाई गई है जिसमें 25 फीसदी सब्सिडी दी जाएगी मैदान में 100 प पहाड़ में 500 करोड़ निवेश करने वालों को ही इसका लाभ मिलेगा।

एसएसएफ करेगी राममंदिर की सुरक्षा

लखनऊ । अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर की सुरक्षा अब सीआईएसएफ के पैटर्न पर यूपीएसएसएफ यानी उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स करेगी। अगले साल राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है, ऐसे में उससे पहले योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राम जन्मभूमि मंदिर के आंतरिक इलाके में जहां पीएसी तैनात है, वहीं अब सीआईएसएफ की तरह यूपी सरकार स्पेशल सिक्यॉरिटी फोर्स के सुरक्षा बलों को तैनात करेगी। एसएसएफ की दो बटालियन में 280 जवान शामिल हैं। इसमें से 80 जवानों की पहली टीम अयोध्या पहुंच गई है। अयोध्या पुलिस ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। अयोध्या पुलिस ने एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट में लिखा है, श्श्राज्य सरकार द्वारा गठित श्रीराम जन्म भूमि परिसर की सुरक्षा हेतु एसएसएफ की दो कंपनियों का आज 11 सितंबर को जनपद अयोध्या में क्षेत्राधिकारी अयोध्या एवं क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर/लाइन द्वारा स्वागत किया गया है।श्श इन जवानों को हफ्ते भर स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। इन जवानों को राम जन्मभूमि और आसपास की संवेदनशील जगहों, रूट मैप के बारे में हर डिटेल जानकारी देकर ट्रेंड किया जाएगा। इसके बाद ये एसएसएफ के जवान राम जन्मभूमि मंदिर के रेड जोन की सुरक्षा संभाल लेंगे।

मणिपुर में कुकी-जो समुदाय के 3 लोगों की गोली मारकर हत्या

इंफाल। मणिपुर में बीते चार महीने से जारी जातीय हिंसा का दौर तमाम प्रयासों के बाद भी रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को राज्य में एक और हिंसक वारदात हुई। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में कथित तौर पर प्रतिबंधित उग्रवादी समूहों के सदस्यों ने कुकी-जो समुदाय के तीन जनजातीय लोगों की सुबह गोली मारकर हत्या कर दी। यह हमला कुकी-जो बहुल कांगपोकपी जिले के कांगगुई क्षेत्र के इरेंग और करम वैफेई के बीच एक स्थान पर सुबह 8:20 बजे के आसपास किया गया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर एक वाहन में आए और उन्होंने इंफाल पश्चिम और कांगपोकपी जिलों

के सीमावर्ती इलाकों में स्थित इरेंग और करम इलाकों के बीच ग्रामीणों पर हमला किया। यह स्थल कांगपोकपी और मेइतेई-बहुसंख्यक इम्फाल पश्चिम जिलों की सीमा के करीब है।

इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम, जो एक कुकी-जो संगठन है, ने मृतकों की पहचान के पोनलेन के सातनेओ तुबोई, के पोनलेन के नगामिनलुन ल्हौवम और लहंगकिचोई के नगामिनलुन किपगेन के रूप में की है। घटना की खबर मिलते ही सुरक्षाकर्मी इलाके में पहुंच गए। यह घटना 8 सितंबर को टेंग्नौपाल जिले के पल्लेल में भड़की हिंसा के ठीक बाद सामने आई है। जिस गांव में यह घटना हुई वह गांव पहाड़ों में स्थित है और यहां जनजातीय लोगों का प्रभुत्व है। मणिपुर में तीन मई से बहुसंख्यक मेइती और जनजातीय कुकी समुदायों के बीच लगातार झड़पें हो रही हैं और अब तक 160 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। घटना के बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि अभी हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। हम केवल इतना जानते हैं कि घटना सुबह करीब आठ बजकर 20 मिनट पर हुई जब अज्ञात लोगों ने इरेंग और करम वैफेई के बीच एक इलाके में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

दून वैली मेल

संपादकीय

इंडिया से इतनी नफरत क्यों?

भारत बनाम इंडिया को लेकर देश के नेताओं के बीच जो बहस छिड़ी हुई है उसके गहरे राजनीतिक नि:तार्थ है। राहुल गांधी सहित जो कांग्रेस के नेता यह कहकर अपनी आत्म संतुष्टि कर लेना चाहते हैं कि विपक्षी गठबंधन का नाम आई.एन.डी.आई.ए. (इंडिया) से भाजपा और उसके नेता डर गए हैं यह पूरा सच नहीं है। कांग्रेस के नेता शायद यह भूल चुके हैं कि भाजपा ने केंद्रीय सत्ता पर काबिज होते ही कांग्रेस मुक्त भारत की बात को जोर-शोर से प्रचारित किया था और बीते 10 सालों में भाजपा अपने मकसद में बहुत हद तक कामयाब भी रही है भले ही वह कांग्रेस का और उसकी राजनीति का पूर्ण सफाया न कर सकी हो लेकिन उसने कांग्रेस को इतना कमजोर कर दिया है कि वह आने वाले कई दशक तक अपने अकेले के दम पर भाजपा को सत्ता से बाहर नहीं कर सकती है। कांग्रेस की इस स्थिति पर खुश होने वाले दल जो आज विपक्षी एकता के प्रयासों में जुटे हैं उन्हें भी अब शायद यह समझ आ गया है कि वह अब केंद्रीय सत्ता से बहुत दूर धकेले जा चुके हैं। लोकतंत्र एक बहुदलीय व्यवस्था है। अगर इसमें कोई एक राजनीतिक दल इतना सशक्त हो जाए कि उसे कोई चुनौती दे ही न सके तो वह लोकतंत्र, लोकतंत्र नहीं रह सकता है। 1970 के दशक में कुछ इसी तरह की भ्रांति और सत्ता का दम्भ कांग्रेस के अंदर भी देखा गया जब उसने इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा का नारा दिया था और अपने सत्ता स्वार्थों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए देश में आपातकाल की घोषणा करते हुए तमाम विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में ठूस दिया था लेकिन वह 45 साल पहले के हालात थे तब से अब तक राजनीति की गंगा में बहुत पानी बह चुका है तब विपक्ष ने मिलकर न सिर्फ कांग्रेस को परास्त करने में बल्कि लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की पुन: बहाली कर ली थी लेकिन अगर वर्तमान दौर में ऐसे हालात पैदा होते हैं तो यह काम बहुत आसान नहीं होगा। देश के लोकतंत्र और संविधान के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ को किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता है। सत्ता पक्ष द्वारा देश के नाम से इंडिया को हटाए जाने से आम आदमी के साथ कोई हित या अहित नहीं जुड़ा है फिर सत्ता में बैठे लोगों द्वारा इस व्यर्थ की बहस को क्यों तूल दिया जा रहा है इसके पीछे उनकी वास्तविक मंशा क्या है? क्यों वह अपनी इस मंशा पर सवाल उठाने वालों को भारत से नफरत करने वाले बताया जाता है यह वास्तव में एक दुष्प्रचार है जो इसके पीछे छिपी उनकी मंशा को दिखाता है। स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और लाल कृष्ण आडवाणी के राजनीतिक कालखंड में भाजपा के नेताओं ने पूरे देश को जब शाइनिंग इंडिया साइन बोर्ड और बैनर पोस्ट से पाट दिया गया था तब उन्हें इंडिया से कोई गुरेज नहीं था न कोई परहेज था। फिर आज इंडिया शब्द में उन्हें ऐसी क्या बुराई नजर आने लगी है कि वह इसके लिए देश के संविधान को भी बदलने पर आमादा है। निश्चित तौर पर यह देश के लोकतंत्र के साथ बड़ा खिलवाड़ ही है। और इसके पीछे कोई ऐसी मंशा छिपी है जो देश की सत्ता व्यवस्था को बदलना चाहती है। सत्ता में रहकर संख्या बल के आधार पर मनमानी फैसले लेने का काम किया जा सकता है और अगर किया जाता है तो वह व्यवस्था लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं कहीं जा सकती है। देश की राजनीति किस दिशा व दशा में जा रही है यह आने वाला समय ही तय करेगा लेकिन यह संकेत शुभ नहीं है।

ऑपरेशन प्रहार के तहत एक माह में 101 मुकदमें दर्ज, 219 गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने एक माह में 101 मुकदमें दर्ज कर 219 लोगों को गिरफ्तार किया।

आज यहां पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि अपराधियों एवं माफियाओं पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु उत्तराखंड पुलिस के द्वारा ध ोखाधड़ी एवं गंभीर अपराधों के प्रकरणों में त्वरित एवं सख्त कार्रवाई हेतु 02 माह का विशेष अभियान (ऑपरेशन प्रहार) 01 अगस्त,2023 से शुरू किया गया। पुलिस महानिदेशक ऑपरेशन प्रहार के अन्तर्गत अब तक 01 माह में कुल 101 अभियोग पंजीकृत कर 219 अपराधियों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की गयी। अशोक कुमार ने कहा कि उत्तराखंड पुलिस ने 01 जनवरी 2021 से

अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की है, जिसमें कुल 2,320 अभियोग पंजीकृत कर 4,222 अभियुक्तों पर वैधानिक कार्रवाई की गयी एवं अपराधिक कृत्यों में संलिप्त 2,292 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। भूमि एवं भवन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 1471 भू-माफियाओं के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर शिकंजा कसा गया, साथ ही 74 भू-माफियाओं पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया। गंभीर अपराधों जैसे रंगदारी एवं उद्यापन के 183 मामलों में पुलिस कार्रवाई की गई, जिसमें से 30 अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर ठगी के 314 मामले एवं किट्टी-चिटफंड-पोंजी स्कीम के नाम पर ध ोखाधडी करने वालों के विरुद्ध 302 मामलों में पुलिस कार्रवाई की गई। परीक्षा अधिनियम के तहत 139 नकल माफियाओं पर कार्रवाई कर 74 अभियुक्तों पर गैंगेस्टर एक्ट लगाया गया। पिछले 03 वर्षों में विशेष अभियानों के तहत कुल 312 अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट लगाया गया, जिसमें कुल घ175 करोड़ से अधिक मूल्य की सम्पत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत अधिग्रहित की गयी।

क्रेडिट कार्ड से 89 हजार की धोखाधडी में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। क्रेडिट कार्ड से 89 हजार रूपये की धोखाधडी में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुम्हारबाडा निवासी संजय प्रजापति ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 22 जुलाई 2023 को उसके साथ क्रेडिट कार्ड से ऑनलाईन धोखाधडी हुई थी उसके कार्ड आईसीआईसीआई बैंक के क्रैडिट कार्ड से 89,257 रूपये की धनराशि की धोखाधडी हुई थी जिसकी शिकायत उसनें 22 जुलाई 2023 को ऑनलाईन साईबर क्राईम पोर्टल पर दर्ज करायी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डेंगू से बचाव के लिए फॉगिंग कराने की मांग

संवाददाता

देहरादून। कैंट युवा समिति ने छावनी परिषद अध्यक्ष को ज्ञापन देकर छावनी के सिविल क्षेत्र गढी कैंण्ट, प्रेमनगर में फॉगिंग कराये जाने की मांग की। आज यहां कैण्ट युवा समिति के सचिव शैलेन्द्र गुरूंग के नेतृत्व में कार्यकर्ता छावनी परिषद अध्यक्ष से मिले और उनको ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में डेंगू अत्यधिक विकराल रूप में फैल रहा है। इसके बचाव हेतु केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न उपाय किये जा रहे हैं तथा जनता को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छावनी के सिविल क्षेत्र गढी डाकरा, प्रेमनगर में आम नागरिक डेंगू से पीडित हैं तथा कई व्यक्ति गम्भीर बीमार है तथा कुछ की मृत्यु भी हो चुकी है परन्तु छावनी बोर्ड क्षेत्र में उक्त की रोकथाम हेतु ना तो प्रतिदिन फॉगिंग करा रहा है ना ही क्षेत्र में लार्वा नष्ट करने हेतु कोई कार्यवाही कर रहा है, मात्र कभी-कभी फॉगिंग की जा रही है जो कि प्रर्याप्त नहीं है। आम जनता व कार्यालय कर्मचारियों की सुरक्षा के दृष्टिगत सम्पूर्ण छावनी क्षेत्र, सिविल क्षेत्र सहित कार्यालय में रोज फॉगिंग करायी जाए। उन्होंने कहा कि सिविल क्षेत्र में जागरूकता हेतु पोस्टर, बैनर आदि लगाकर सुरक्षा उपायों की जानकारी आम नागरिकों को दी जाए तथा प्रभावित क्षेत्र की जानकारी लेकर क्षेत्र को समय पर क्षेत्र में जमा हुए पानी का उचित निस्तारण कराया जाए।

ऑनलाईन स्कीम का झांसा देकर ठगे 83 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाईन स्कीम का झांसा देकर 83 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर बाईपास निवासी अंजलि परमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 3 सितम्बर 2023 में मोबाइल से उसको व्हटसएप में एक टेक्स आया था जिसमे उस व्यक्ति ने उसको ऑनलाईन स्कीम के बारे में अवगत कराया। फिर 4 सितम्बर 2023 को उसने उसको टेलीग्राम में एड किया और वहाँ उसने क्वाईन स्वीच लिंक के थ्रूट उसने उसके साथ कुल धनराशि 83000 रूपये उससे धोखाधडी करके प्राप्त की तथा अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे भिन्न-2 नम्बरों से कॉल करके 162000 माँगने के लिए कह रहा है। टेलीग्राम में भी उसने भिन्न एकाउंट से उससे साथ बातचीत की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कदत्विषन्त सूरयस्तिर आप इव स्रिधः।
अर्षन्ति पूतदक्षसः।।

(ऋग्वेद ८-९४-७)

विद्वान जन जो तेजस्वी और वीर होते हैं, वो अशांत जल जिस प्रकार दुर्गम मार्ग पर सुगमता से आगे बढ़ता है उसी प्रकार विद्वान जन हिंसा को तोड़ते हुए सुगमता से सत्य के पथ पर आगे बढ़ते है।

भारत में प्रतिवर्ष डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु की वजह आत्महत्या होती है: डॉ. सपना

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर भारत में प्रतिवर्ष डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु की वजह आत्महत्या होती है जो कि वैश्विक आत्महत्या का लगभग 20 प्रतिशत है। यह तथ्य मनोविज्ञान विभाग की प्रभारी डॉक्टर सपना कश्यप ने विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर वर्चुअल माध्यम से छात्रों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

डॉक्टर कश्यप ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की बदलती जीवन शैली तथा आर्थिक, पद, प्रतिष्ठा की लालसा एवं इसे प्राप्त न करने के कारण अवसाद की स्थितियां आत्महत्या के प्रमुख कारण है। इन्हीं कारणों के मद्देनजर ' इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रीवेंशन' एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने समाजों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिए जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को "वर्ल्ड सुसाइड प्रीवेंशन डे "मनाए जाने

का निर्णय लिया है।

कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर आर के उभान ने अवसाद की स्थितियों का मुकाबला करने के लिए योग-ध्यान एवं मानसिक विशेषज्ञों की सलाह से आत्महत्याओं की रोकथाम का मार्ग सुझाया।

इस अवसर पर मनोविज्ञान के प्राध्यापक डॉ राकेश कुमार नौटियाल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपके द्वारा जागरूकता कार्यक्रम को आयोजित किए जाने से जहां आगामी जीवन में स्वयं आपको चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी वहीं आप पैच के लक्ष्य को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगे।

विभाग की रंजना जोशी ने स्वस्थ मानसिकता के लिए स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ शरीर के लिए पौष्टिक आहार को अनिवार्य बताया।

इस अवसर पर विभाग के छात्रों द्वारा पोस्टर निर्मित कर आत्महत्या रोकथाम के लिए आकर्षक आकृतियां एवं स्लोगन का निर्माण कर अपनी सृजनशीलता का परिचय दिया।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम "क्रिएटिंग होप थ्रू एक्शन" है इसी तथ्य को मद्देनजर रखते हुए विभाग के छात्रों ने शांयकाल हाथों में दीपक जलाकर रात्रि के तमस को दीपक की रोशनी से भेदने की आशा दिखाकर आत्महत्या से लड़ने का संदेश दिया।

इस अवसर पर कॉलेज के अन्य प्राध्यापकों ने भी वर्चुअल माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज की इस आशय की जानकारी कॉलेज मीडिया प्रभारी डॉक्टर विक्रम सिंह बर्त्वाल ने दी है।

गाडी से टक्कर लगने पर युवक पर चाकू से हमला

संवाददाता

देहरादून। गाडी से टक्कर लगने से युवक पर चाकू से हमला करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुडबुडा मौहल्ला निवासी शांतनु ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कंडोली से अपनी पारिवारिक मित्रों के साथ अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था तभी एक स्कूटर सवार (पति पत्नी) ने उसकी गाडी को ओवर टेक कर तभी वह उसकी गाडी को टक्कर मारता हुआ आगे चला गया और थोडा आगे जाकर उन्होने उसकी गाडी रूकवा कर उसके साथ गाली गलौच करनी शुरू कर दी।

इसके दौरान उस व्यक्ति ने अपनी जेब से चाकू निकाल कर एक वार उसके पेट में और अन्य वार उसके हाथ पर वार करना शुरू कर दिया, जब वहाँ लोगों ने देखा और उसको पकडने की कोशिश करी तो वह अपना स्कूटर वहीं छोड कर पति पत्नी दोनों वहां से फरार हो गये और तभी वह बेहोश हो गया था उसके मित्रों ने उसका स्कूटर मयूर विहार चौकी लाकर जमा कर दिया, और उसको अस्पताल ले गये जहां उसका मेडिकल हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मन्दिर से दानपात्र व सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मन्दिर से दानपात्र व कैमरे चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर ढकरानी निवासी नरेश राठौर ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि हरिपुर गांव में हनुमान मन्दिर है। आज जब वह सुबह मन्दिर गया तो उसने देखा कि मन्दिर से दानपात्र व तीन कैमरे गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवला बडोवाला निवासी शुभम लिंबू ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह प्रेमनगर में कालरा स्वीट शॉप पर आया था। उसने अपनी स्कूटी दुकान के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं एमडीडीए कालोनी डालनवाला निवासी शाहिन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से झंडा बाजार आयी थी तथा उसने अपनी स्कूटी झंडा बाजार में खडी की थी जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवादा निवासी बलवंत सिंह पाल ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र अजय पाल ढालीपुर की तरफ जा रहा था तभी उसको अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया जिसको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नाक छिदवाने के फायदे और नुकसान

नाक छिदवाना यूं तो भारत में परंपरा है, लेकिन इन दिनों फैशन और स्टाइल के लिए भी लड़कियां नाक में तरह-तरह की बाली, नथ पहनना पसंद करती हैं। भले ही यह परंपरा हो, लेकिन नाक छिदवाने के कुछ फायदे और नुकसान भी हैं। नाक छिदवाने से सेहत को कई फायदे होते हैं। कई वैज्ञानिकों ने इसे बीमारियों को ठीक करने की वैकल्पिक प्रक्रिया माना है। इसे एक्युपंक्चर पद्धति में शामिल किया जाता है जो कि शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से जुड़ी बीमारियों को ठीक करता है।

इतना ही नहीं नाक पर विशेष जगह छेद करने से महिलाओं को पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द में राहत मिलती है। बाएं नथुने पर सही जगह छेद करने और बाली पहनने से एक खास फायदा होता है। इससे महिला को बच्चे के जन्म के वक्त आसानी होती है। कारण यह है कि महिला के बाएं नथुने की कई नसें महिलाओं के प्रजनन अंगों से जुड़ी होती हैं। यही नहीं महिलाएं सोने या चांदी से बनी नथ पहनती हैं, जिससे ये धातुएं लगातार शरीर के संपर्क में रहती हैं। इन धातुओं के गुण मिलते रहते हैं और इस वजह से नाक छिदवाने से फायदा होता है। नाक छिदवाने से माइग्रेन में राहत मिलती है।

नाक छिदवाने के बाद कुछ बातों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। कई बार नाक छिदवाने के बाद छेद की जगह उभार हो जाता है। इससे नाक में सूजन, खून निकलना और लालिमा कुछ हफ्ते तक रह सकती है। यह उभार कुछ वजहों से हो सकता है, जिसमें नाक छेदने में गलत तकनीक का इस्तेमाल, गंदे हाथों से नाक को छूना, बाली या अन्य आभूषणों से होने वाली एलर्जी आदि शामिल हैं। छिदवाने के बाद दिन में दो से तीन बार छेद के आसपास की जगह को साफ करना चाहिए। छेद वाले स्थान को छूने से पहले हाथ साबुन से धुले होने चाहिए। नाक के छेद पर टी ट्री ऑयल लगाना लाभकारी होता है।

इसमें प्राकृतिक रूप से एंटी फंगल, एंटी सेप्टिक और एंटी माइक्रोबियम गुण होते हैं। इससे घाव जल्दी भरता है और संक्रमण व सूजन कम होती है। लड़कियों की एक और आदत होती है कि जब नया-नया नाक छिदवाती हैं तो नाक की बाली से खेलने लगती हैं, उसे बैठे-बैठे घुमाने लगती हैं, ऐसा बिल्कुल न करें, क्योंकि इससे जख्म गहरा हो सकता है। नाक के छेद के आसपास की पपड़ी को रगड़कर कभी न निकालें। अगर बाली नहीं पहननी है तो भी मेकअप से छेद छुपाने की कोशिश न करें। सूजन होने पर गर्म सेंक लगा सकते हैं। एक साफ कपड़े को पानी में भिगोकर उसक जगह पर सेंक सकते हैं।

अगर लगता है कि नाक छिदवाने के बाद संक्रमण हुआ है तो डॉक्टर के पास जाना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि यह गंभीर हो जाए। संक्रमण के लक्षणों में बुखार, लालिमा, छिदवाई जगह पर सूजन, दर्द या उस जगह से पीला या हरा डिस्चार्ज शामिल है। यह परेशानी दो सप्ताह तक बनी रहे तो जरूर डॉक्टर से मिलें।

बर्फ से करें फेशियल, 5 मिनट में स्किन बनेगी ग्लोइंग एंड क्लियर

चमकता और खूबसूरत चेहरा आखिर किसे नहीं पसंद होता? लेकिन इसके लिए त्वचा की काफी देखभाल करनी होती है। हेल्दी और ग्लोइंग स्किन के लिए कुछ महिलाएं फल और सब्जियों के जूस के साथ ही पूरे दिन पर्याप्त पानी पीती हैं। जबकि कुछ महिलाएं पार्लर जाती हैं और केमिकल ट्रीटमेंट कराती हैं। वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं जो त्वचा पर चमक लाने के लिए कई तरह के घरेलू नुस्खे आजमाती हैं।

दरअसल, स्किन को हेल्दी रखने के लिए समय पर मसाज और फेशियल जरूरी है। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप पार्लर जाकर महंगे प्रोडक्ट से फेशियल कराएं। आइस फेशियल हर तरह की स्किन के लिए अच्छा होता है। सबसे खास बात यह है कि इसे घर पर बहुत आसानी से किया जा सकता है। यह त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

आंखों को आराम देता है

लैपटॉप पर लगातार काम करते हुए आंखों में थकान भर जाती है। इसे दूर करने के लिए आंखों पर बर्फ के टुकड़े को लेकर एक मुलायम कपड़े में लपेट कर अपनी आंखों के ऊपर मसाज करें। यह न केवल स्ट्रेस से शांति दिलाएगा बल्कि थकी हुई आंखों को भी सुकून और तरोताजा महसूस कराएगा।

टैनिंग से छुटकारा दिलाता

त्वचा पर बर्फ लगाने से एक ठंडक का एहसास मिलता है। बर्फ धूप के कालेपन को दूर करने में मदद करता है। आपको बस इतना करना है कि प्रभावित क्षेत्र पर कुछ बर्फ के क्यूब्स लगाने हैं। यह टैनिंग से छुटकारा पाने का एक प्रभावी घरेलू उपाय है।

ऑयली स्किन के लिए आइस फेशियल फेशियल बेहद फायदेमंद है। यह त्वचा से अतिरिक्त ऑयल को हटाता है। इसके कारण मुंहासे की समस्या नहीं होती है। सिर्फ इतना ही नहीं आइस फेशियलब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स को भी दूर करने में मदद करता है। यह पूरे चेहरे की सफाई करता है।

त्वचा को रखे टाइट

आइस फेशियल स्किन को लंबे समय तक टाइट रखता है। साथ ही यह बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करता है। बर्फ से फेशियल करने पर रोमछिद्रों के अंदर जमा गंदगी बाहर निकल आती है। साथ ही रोमछिद्र सिकुड़कर छोटे हो जाते हैं। इससे त्वचा कोमल नजर आती है।

चेहरे पर चमक लाए

आइस फेशियल चेहरे की थकान और सुस्ती कम करता है। इससे आप तरोताजा महसूस करती हैं। यह स्किन के ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में भी मदद करता है। जिसके कारण त्वचा पर प्राकृतिक चमक आती है।

झुर्रियां दूर करे

उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां और फाइन लाइन्स आने लगती हैं। आइस फेशियल बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करता है। दरअसल, बर्फ से फेशियल करने पर यह स्किन प्रोडक्ट को अच्छी तरह एब्जॉर्ब करता है। सिर्फ इतना ही नहीं स्किन पर एंटी एजिंग क्रीम भी बेहतर तरीके से काम करती है।

आइस फेशियल करने का तरीका

1.एक बड़े बर्तन में पानी लें और इसमें बर्फ के कुछ टुकड़े, 2 चम्मच गुलाब जल और 2 चम्मच ग्रीन टी मिलाएं।

2.इस पानी में अपने चेहरे को थोड़ी देर टिप करें। चेहरे को पानी से बाहर निकालें और 1० सेकेंड के लिए दोबारा डिप करें। यह प्रक्रिया कई बार दोहराएं।

3.चेहरे को बर्फ के पानी से बाहर निकालने के बाद ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने के लिए थोड़ी देर तक थपथपाएं।

4.इसके बाद चेहरे को पोछकर मॉश्चराइजर लगाएं।

विशेष सत्र का गोपनीय एजेंडा!

अब यह साफ हो गया है कि संसद का विशेष सत्र शुरू होने से एक-दो दिन पहले तक सरकार इसक एजेंडा गोपनीय रखेगी। सोनिया गांधी की चिट्ठी के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने लिखा है कि सब कुछ परंपरा और नियम के हिसाब से हो रहा है। हर बार सरकार सत्र से पहले सभी दलों की बैठक बुलाती है, जिसमें एजेंडा बताया जाता है। इस बार भी ऐसा ही किया जाएगा। हालांकि जब नियमित सत्र होते हैं तब के लिए यह बात ठीक है कि सरकार दो दिन पहले एजेंडा बताती है। लेकिन जब विशेष सत्र बुलाया गया है तो जाहिर है कि उसमें रूटीन के काम नहीं होने हैं। किसी खास मकसद से सत्र बुलाया गया है तो उसका एजेंडा पहले बताया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सरकार हर चीज को गोपनीय रखने और एकदम से लोगों को चौंका देने के अपवाद को अपने कामकाज का नियम बना लिया है। बहरहाल, जानकार सूत्रों का कहना है कि संसद के विशेष सत्र में कोई विधेयक नहीं पेश किया जाएगा। विपक्ष को दो बातों की चिंता है। पहली बात तो यह कि क्या सरकार एक देश, एक कानून का बिल ला सकती है? लेकिन इसकी कोई संभावना नहीं है। क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में जो कमेटी बनी है उसकी एक भी बैठक नहीं हुई है। पहले सदस्यों की औपचारिक बैठक होगी। उसमें उस मकसद पर चर्चा होगी, जिसके लिए कमेटी बनाई गई है। उसके बाद राज्यों, राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, सिविल सोसायटी आदि से सलाह-मशविरा होगा। पहली बैठक जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद ही होगी। सो, यह संभावना नहीं है कि कमेटी 18 सितंबर तक कोई रिपोर्ट दे पाएगी। दूसरी चिंता यह है कि संविधान में संशोधन करके देश का नाम सिर्फ भारत रखने का फैसला हो सकता है। लेकिन यह भी नहीं होना है। जानकार सूत्रों का कहना है कि सरकार इंडिया और भारत दोनों नाम रखने के पक्ष में है लेकिन भारत का ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा। नाम का विवाद शुरू होने के बाद केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इंडिया, भारत या हिंदुस्तान कहिए पर हमारे खिलाड़ी ढेर सारे पदक जीत कर लाएंगे। यह एक संकेत है इस बात का कि सरकार नाम नहीं बदलने वाली है। दोनों सदनों की साझा बैठक की भी कोई योजना नहीं है। अब रही बात कि विशेष सत्र में क्या हो सकता है? जानकार सूत्रों के मुताबिक कोई विधेयक लाने की बजाय सरकार की ओर से तीन या चार प्रस्ताव पेश किए जा सकते हैं। उन प्रस्तावों पर चर्चा के बाद ध्वनिमत से उन्हें पास कराया जाएगा। पहला प्रस्ताव जी-20 के सफल आयोजन के लिए प्रधानमंत्री मोदी के अभिनंदन का हो सकता है। दूसरा प्रस्ताव चंद्रयान-तीन की सफलता का हो सकता है। उसमें इसरो को वैज्ञानिकों के साथ साथ मोदी और सरकार की सराहना की जाएगी। तीसरा प्रस्ताव 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का हो सकता है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी विस्तार से बोल सकते हैं। इससे अगले चुनाव का एजेंडा तय हो सकता है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि एक प्रस्ताव पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर भी हो सकता है और एक प्रस्ताव चीन की निंदा का भी हो सकता है। लेकिन ये सारी अटकलें हैं। (आरएनएस)

मुद्दा नाम परिवर्तन नहीं है

इस आरोप में दम है कि सरकार हर काम को सियासी ध्रुवीकरण के नजरिए से करती है। इसीलिए यह मुद्दा विवादित हो गया है। अविश्वास और आक्रोश पैदा करते हुए इतना बड़ा कदम उठाना किसी नजरिए से उचित नहीं है। द्रौपदी मुर्मू और नरेंद्र मोदी ने अगर आधिकारिक रूप से खुद को क्रमशः भारत की राष्ट्रपति और भारत का प्रधानमंत्री कहलाना शुरू किया है, तो उसमें कोई असंवैधानिक बात नहीं है। भारतीय संविधान के मुताबिक इस देश के नाम के रूप में भारत और इंडिया दोनों या दोनों में से किसी एक शब्द का इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर संविधान संशोधन कर आधिकारिक रूप से नाम बदलने की कोशिश की जाती है, तो उसमें कोई असाधारण बात नहीं होगी। विभिन्न देशों ने अपना नाम बदला है, जिनमें सबसे ताजा उदाहरण टर्की के तुर्किये बन जाने का है। अपने देश में भी शहरों और राज्यों तक के नाम बदलने की परंपरा रही है। अभी हाल में केरल ने अपना नाम केरलम कर लिया। इसके पहले बंबई, मद्रास, बैंगलोर क्रमशः मुंबई, चेन्नई और बंगलुरू हो ही चुके हैं। यहां सिर्फ उन नाम परिवर्तनों का उल्लेख किया गया है, जिन्हें राजनीतिक एवं सार्वजनिक आम सहमति से किया गया। अनेक नाम परिवर्तन ऐसे भी हुए हैं, जिन पर ऐसी सहमति बनाने की कोशिश नहीं की गई और इसलिए यह आरोप रहा है कि उन्हें ध्रुवीकरण की सियासत के हिस्से के रूप में अंजाम दिया गया। और यही पहलू देश के नाम के बारे में उठे विवाद का भी प्रमुख कारण है। अगर वर्तमान केंद्र सरकार देश का नाम बदलना चाहती है, तो उसका सही तरीका पहले इस सवाल पर राष्ट्रीय बहस कराना और अधिकतम सहमति बनाना होना चाहिए। संविधान सभा ने अगर इंडिया और भारत दोनों नामों को अपनाया, तो इसका कारण वहां एक नाम पर सहमति ना बन पाना था। अब 75 साल बाद संभवतः ऐसा होने की संभावना अधिक मजबूत होगी। मगर समस्या यह है कि सहमति और संवाद के साथ आगे बढ़ना मौजूदा सरकार की शैली का हिस्सा नहीं है। बल्कि इस आरोप में दम है कि हर काम को वह सियासी ध्रुवीकरण के नजरिए से करती है। इसीलिए यह मुद्दा विवादित हो गया है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हड्डियों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही हैं ये ड्रिंक्स, इन से बना लें अभी से ही दूरी

आपकी दिनचर्या में कुछ ऐसी ड्रिंक्स हो सकती हैं, जो आपकी हड्डियों को पिघलाने वाली हो और हर रोज आपकी हड्डियों को कमजोर कर रही हो। यह ड्रिंक्स आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं और हड्डियों की मजबूती को कम कर सकती हैं।ऐसा ड्रिंक्स जिसमें अधिक मात्रा में अल्कोहल, कॉफीन, कार्बोनेटेड बीवरेज, और अधिक शुगर वाले सोडा अगर आप इसे अपने ड्रिंक्स में शामिल करते हैं तो यह आपकी हड्डियों को कमजोर और आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

इन तत्वों का अधिक सेवन ऑस्टियोपोरोसिस (अस्थिभंग) जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, जिसमें हड्डियों की कमी होती है। इसलिए, स्वस्थ आहार, पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन डी का सेवन, और नियमित व्यायाम का महत्वपूर्ण है जो हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत रखने में मदद कर सकते हैं।

सोडाः सोडा में मौजूद कैफीन और अधिक मात्रा में शक्कर हमारे हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह हड्डियों के कैल्शियम स्तर को कम करने के साथ-साथ उनके मजबूती को भी कम कर सकती है।

अधिक कैफीनः अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन करने से भी हड्डियों के कैल्शियम स्तर में गिरावट हो सकती है, जो कि उन्हें कमजोर बना सकता है।

अल्कोहलः अधिक मात्रा में अल्कोहल का सेवन भी हड्डियों को प्रभावित कर सकता है और उन्हें कमजोर बना सकता है।

सुगरी ड्रिंक्सः सुगरी ड्रिंक्स में मौजूद शक्कर हमारे हड्डियों को कमजोर बना सकती है और उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है।

इन ड्रिंक्स से बचने के लिए, सही आहार और स्वस्थ जीवनशैली का पालन करें, ताकि आपकी हड्डियां स्वस्थ और मजबूत बना रहें। आप हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए निम्नलिखित पेय पदार्थ अपनी दैनिक जीवन में शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं।।

दूध और दूध के उत्पादः दूध, दही, पनीर, योगर्ट आदि में प्राकृतिक कैल्शियम और प्रोटीन होता है जो हड्डियों की मजबूती को बढ़ावा देता है।हड्डियों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही हैं ये पीने की चीजें, आज ही इनसे दूरी बना लें

ग्रीन टीः ग्रीन टी में आयरन, विटामिन क और अंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करते हैं।

नारियल पानीः नारियल पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम होता है जो हड्डियों की मजबूती को बढ़ावा देता है।

एप्पल जूसः एप्पल जूस में विटामिन सी और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करते हैं।

हरी सब्जी और फलः हरी सब्जी और फल में विटामिन्स, मिनरल्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूती प्रदान करते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -039

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

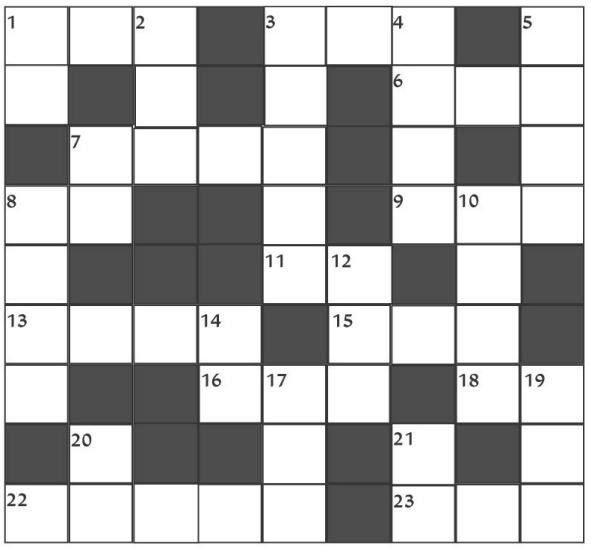

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 38 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

जाने जान से करीना कपूर का पहला लुक जारी, 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करीना कपूर ने कुछ समय पहले अपनी नई फिल्म जाने जान का ऐलान किया था। यह फिल्म इसलिए ज्यादा खास है क्योंकि जाने जान के जरिए करीना ओटीटी की दुनिया में कदम रखने वाली हैं। अब निर्माताओं ने जाने जान से करीना का लुक जारी कर दिया है, जिसमें वह दमदार अवतार में नजर आ रही हैं। बता दें, जाने जान का ट्रेलर 5 सितंबर को जारी किया जाएगा।

नेटफ्लिक्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फिल्म जाने जान से करीना का लुक साझा किया है।इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, रोमांच बस आने ही वाला है और यह 3 दिनों में आपके पास आ रहा है। जाने जान का ट्रेलर 3 दिन बाद जारी किया जाएगा।जाने जान का निर्देशन सुजॉय घोष द्वारा किया जाएगा। इसमें जयदीप अहलावत और विजय वर्मा भी नजर आएंगे।

यह फिल्म करीना के जन्मदिन यानी 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने वाली है। फिल्म का टीजर 25 अगस्त को सामने आया था। पोस्टर में करीना बिना मेकअप के काफी गुस्से में दिख रही हैं। फिल्म 'जाने जान' जापानी लेखक हिगाशिनो कीगो के साल 2005 के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' का हिंदी वर्जन है।

सीमित फिल्मों में नजर आने वाली करीना कपूर खान भी अब उन अभिनेत्रियों में शुमार हो गई हैं, जो सफलतापूर्वक ओटीटी प्लेटफार्म के लिए वेब सीरीज में काम कर रही हैं और दर्शकों की तारीफें पा रही हैं। इनमें विद्या बालन, काजोल, प्रियामणि, सामंथा रुथ प्रभु के साथ ऋचा चड्ढा, हुमा खान, सोनाक्षी सिन्हा तक शामिल हैं।

शिवकार्तिकेयन, साई पल्लवी-स्टारर एसके21 ने अपना कश्मीर शेड्यूल किया पूरा

अपकमिंग तमिल फिल्म एसके21 ने अपना कश्मीर शेड्यूल पूरा कर लिया है। इसमें शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी हैं। इस प्रोजेक्ट का टाइटल अभी तक तय नहीं किया गया है। एसके21 अस्थायी नाम है।

फिल्म राज कुमार पेरियासामी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में शिव कार्तिकेयन का अलग अंदाज देखने को मिलेगा, जो फैंस ने पहले कभी बड़े पर्दे पर नहीं देखा है। यह फिल्म गट्स एंड गोर की कहानी है और देशभक्ति से भरपूर है।

फिल्म का निर्माण कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल (आरकेएफआई), सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस (एसपीआईपी) और आर महेंद्रन ने किया है।

शिवकार्तिकेयन ने अपने करियर की शुरुआत रियलिटी शो कलक्का पोवाथु यारू से एक मिमिक्री आर्टिस्ट के रूप में की थी। वह शॉर्ट फिल्मों में दिखाई दिए, जिनमें मुगप्पुथगम, आइडेंटिटी, कुराहल 786 और 360 डिग्री शामिल हैं।

फिल्म की घोषणा चेन्नई में एक ग्रैंड इवेंट में निर्माता उलगनायगन कमल हासन, आर. महेंद्रन, शिवकार्तिकेयन, साई पल्लवी, राजकुमार पेरियासामी, जीवी प्रकाश, सह निर्माता वकील खान की उपस्थिति में की गई।

टेक्निकल क्रू में म्यूजिक डायरेक्टर जीवी. प्रकाश, प्रोडक्शन डिजाइनर राजीवन, सिनेमैटोग्राफर सीएच. साई, संपादक आर. कलैवानन और एक्शन-निर्देशक स्टीफन रिक्टर शामिल हैं। यह फिल्म गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट द्वारा सह-निर्मित है। (आरएनएस)

हिट टीवी शो मे आई कम इन मैडम? सीजन 2 के साथ आ रहा वापस

हिट टीवी शो मे आई कम इन मैडम? अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी के लिए तैयार है। एक्टर संदीप आनंद, नेहा पेंडसे और सपना सिकरवार शो के दूसरे सीजन में अपनी भूमिकाओं को दोहराते हुए दिखाई देंगे।

कॉमेडी ड्रामा साजन नाम के एक साधारण व्यक्ति के जीवन को दर्शाता है, जो शादीशुदा होने के बावजूद अपने बॉस को इंप्रेस करने की कोशिश करता है।

इस शो के पहले सीजन को दर्शकों से अपार प्यार मिला और इसके किरदार साजन, संजना और कश्मीरा, जिन्हें क्रमशः संदीप आनंद, नेहा पेंडसे और सपना सिकरवार ने निभाया, ने फैंस पर एक अमिट छाप छोड़ी।

संदीप ने शो के दूसरे सीजन में वापसी को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया।

उन्होंने शेयर किया, मैं एक बार फिर शो का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। मे आई कम इन मैडम? का पहला सीजन 2017 में समाप्त हुआ। शो को बड़े पैमाने पर पसंद किया गया और हमें इसे जारी रखने के लिए कई रिक्वेस्ट और मैसेज प्राप्त हुए। आज भी दर्शक इस शो, हमें और हमारे किरदारों को नहीं भूले हैं।

दर्शकों के प्यार को देखकर, मुझे हमेशा विश्वास था कि स्टार भारत अपने दर्शकों के लिए दूसरा सीजन वापस लाएगा।

उन्होंने आगे कहा, लॉकडाउन के दौरान, हमें कई रिक्वेस्ट मिली और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शो के बारे में व्यापक चर्चाएं देखी गईं। अब, दर्शकों की इच्छाएं पूरी हो रही हैं क्योंकि स्टार भारत हमारे लिए मे आई कम इन मैडम का सीजन 2 ला रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि पिछले सीजन की तरह यह भी दर्शकों का दिल जीत लेगा।

मे आई कम इन मैडम सीजन स्टार भारत पर प्रसारित होने वाला है। (आरएनएस)

गायिका जसलीन रॉयल के गाने हीरिये ने दुनियाभर में मचाई धूम?

गायिका जसलीन रॉयल ने अपनी खूबसूरत आवाज से लाखों दिलो पर राज किया है। इस बार उन्हें सुर्खियों में लेकर आया है उनका गाना हीरिये, जिसमें उनके साथ दुलकर सलमान नजर आए थे। इस गाने ने सबको पछाड़ लोकप्रिय ऑनलाइन म्यूजिक स्ट्रीमिंग एप स्पॉटिफाई पर पहले स्थान पर अपनी जगह बना ली है।यही नहीं यह विश्व स्तर पर 40वां सबसे ज्यादा सुना जाने वाला गाना बन गया है।आइए आपको जसलीन के बारे में विस्तार से बताते हैं।

जसलीन कौर रॉयल को लोग जसलीन रॉयल नाम से जानते हैं। वह गायिका होने के साथ गीतकार और संगीतकार भी हैं। जसलीन पंजाबी, हिंदी, बंगाली और गुजराती के साथ-साथ अंग्रेजी में भी गाने गाती हैं।32 साल की जसलीन ने अपनी स्कूली शिक्षा सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल, लुधियाना से पूरी की और बाद में आगे की पढ़ाई के लिए वह नई दिल्ली चली गईं। वहां उन्होंने हिंदू कॉलेज से बी.कॉम ऑनर्स की डिग्री ली।इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं।

जसलीन ने संगीत का कोई प्रशिक्षण नहीं लिया। वह पहली बार चर्चा में तब आईं, जब 2009 में इंडियाज गॉट टैलेंट के पहले सीजन में वह सेमी-फाइनलिस्ट बनीं। उस समय वह 18 साल की थीं।उनका पहला गाना दिन शगना दा था, जिसे उन्होंने सबसे पहले यूट्यूब पर डाला था। इस गाने को फिर अनुष्का शर्मा की फिल्म फिल्लौरी में इस्तेमाल किया गया, लेकिन जब अनुष्का ने अपनी शादी में इस गाने के साथ एंट्री ली तब यह लोकप्रिय हुआ।

जसलीन ने सितंबर, 2014 में सोनम कपूर और फवाद खान अभिनीत फिल्म खूबसूरत में प्रीत नाम के गीत से बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसे स्नेहा खानवलकर ने संगीत दिया था और अमिताभ वर्मा ने इस गाने के बोल लिखे थे। इसके बाद उन्होंने फिर बार बार देखो में खो गए हम कहां, डियर जिंदगी में लव यू जिंदगी और शेरशाह में रांझा जैसे कई सफल गीतों में सुर लगाए और खूब वाहवाही लूटी।

बीते जुलाई में जसलीन का रोमांटिक गाना हीरिये रिलीज हुआ था। यह दुलकर का पहला हिंदी गाना था, जिसमें जसलीन उनकी जोड़ीदार बनी थीं। (आरएनएस)

रिकॉर्ड तोड़ रकम में बिके प्रभास की फिल्म सालार के ओटीटी राइट्स

साउथ सुपरस्टार सालार प्रभास की फिल्म सालार पहले शाहरुख खान की फिल्म जवान के साथ 7 सितंबर को रिलीज होने वाली थी। हालांकि अब फिल्म की रिलीज पोस्टपोन हो गई है और अब सालार 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इसी बीच अब खबर आई है कि सालार के ओटीटी राइट्स बेच दिए गए हैं।

ओटीटी स्ट्रीम अपडेट के मुताबिक सालार के ओटीटी राइट्स 80 करोड़ रुपए में बेचे गए हैं। इसने एस एस राजमौली की फिल्म आरआरआर को पछाड़ दिया है जिसे 75 करोड़ में बेचा गया था। हालांकि सालार किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जाएगी अब तक इसका खुलासा नहीं हो सका है।

ओटीटी स्ट्रीम अपडेट ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा- प्रभास की सालार के निजाम राइट्स को 80 करोड़ में हासिल करना, एस एस राजमौली की आरआरआर की इंडस्ट्री हिट के मुकाबले में सबसे ज्यादा रेट था, जिसमें रामचरण और जूनियर एनटीआर ने एक्टिंग की थी और जिसे 75 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

बता दें कि प्रभास की पिछली दो फिल्में आदिपुरुष और राधे श्याम बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। ऐसे में प्रभास को अपनी अपकमिंग फिल्म सालार से काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस श्रुति हासन और मीनाक्षी चौधरी भी अम किरदार अदा करती नजर आएंगी। फिल्म 28 सितंबर को फुकरे 3 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।(आरएनएस)

चंद्रमुखी 2 एक दिलचस्प हॉरर कॉमेडी फिल्म

इन दिनों कंगना रनौत अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 के लिए चर्चा में हैं। जब-से इस तमिल फिल्म से कंगना का पहला लुक सामने आया था, उनके प्रशंसक फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। फिल्म 15 सितंबर को रिलीज होने वाली है और अब ट्रेलर के लिए भी दर्शकों का इंतजार खत्म हुआ। पिछले रविवार को आखिरकार फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है, जिसमें कंगना का नया अवतार नजर आ रहा है।

ट्रेलर से चंद्रमुखी 2 एक दिलचस्प हॉरर कॉमेडी फिल्म लगती है। यह एक नर्तकी के बदले की कहानी है।कहानी तब शुरू होती है, जब एक राजपरिवार अपने पुराने महल में वापस रहने के लिए आता है। यहां एक नर्तकी चंद्रमुखी की आत्मा मौजूद है, जो अपना बदला पूरा करने का इंतजार कर रही है। चंद्रमुखी के किरदार में कंगना काफी खूबसूरत और प्रभावशाली नजर आ रही हैं। फिल्म का संगीत ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

चंद्रमुखी 2 15 सितंबर को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन पी वासु ने किया है।इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में कंगना के साथ राघव लॉरेंस और सत्यराज मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।इनके अलावा वडिवेलु, राधिका सरथकुमार, लक्ष्मी मेनन, महिमा नांबियार, सृष्टि डांगे, सुभिक्षा कृष्णन, रवि मारिया, कार्तिक श्रीनिवासन जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।चंद्रमुखी 2 का निर्माण लाइका फिल्म्स के बैनर तले किया जाएगा।

लोकप्रिय फिल्म चंद्रमुखी 2005 में रिलीज हुई थी। फिल्म को अच्छी संख्या में दर्शक मिले थे और यह ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।फिल्म में रजनीकांत और ज्योतिका सरवनन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। नयनतारा भी इस फिल्म का हिस्सा थीं।इस हॉरर फिल्म का निर्देशन भी पी वासु ने किया था। फिल्म की कहानी एक भूतिया बंगले पर आधारित थी, जिसमें एक नर्तकी की आत्मा रहती है और बदला लेना आती है।

कंगना चंद्रमुखी 2 के अलावा तेजस में नजर आने वाली हैं, जो 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएगी। इस फिल्म में कंगना वायुसेना की एक पायलट की भूमिका निभाएंगी।इसके बाद वह इमरजेंसी में दिखाई देंगी, जिसमें उन्होंने अभिनय के साथ निर्देशन की कमान भी संभाली है। 24 नवंबर को रिलीज हो रही इस फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं।नोटी बिनोदिनी की बायोपिक में भी नजर आएंगी।(आरएनएस)

अगला चुनाव जाति के मुद्दे पर

अजीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे तब चुनाव लगभग पूरी तरह से सत्ता विरोधी लहर पर लड़ा गया था। भाजपा और नरेंद्र मोदी की प्रचार टीम के सारे नारे सत्ता विरोध वाले थे। मनमोहन सिंह पर कमजोर नेतृत्व का आरोप था तो महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा था। इसके अलावा वह चुनाव उम्मीदों और आकांक्षाओं वाला था। अच्छे दिन के वादे वाला था। उसके बाद के किसी चुनाव में अच्छे दिन की बात नहीं हुई। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी 2019 में पहला लोकसभा चुनाव लड़े और वह पूरी तरह से राष्ट्रवाद के मुद्दे पर था। पुलवामा कांड की पृष्ठभूमि और सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट स्ट्राइक के नाम पर चुनाव हुआ था। इन दोनों चुनावों में हिंदुत्व का मुद्दा सतह के अंदर अंडरकरंट की तरह था। इस बार के चुनाव में वह मुख्य मुद्दा बनता दिख रहा है और उसके साथ साथ राष्ट्रवाद, मोदी का मजबूत नेतृत्व और भारत के विश्वगुरू होने का नैरेटिव है।

दूसरी ओर 2014 और 2019 के चुनाव में पूरी तरह से बिखरा और किंकर्तव्यविमूढ़ रहा। पर इस बार विपक्ष एकजुट होकर एक साझा नैरेटिव पर चुनाव लडने़ की तैयारी कर रहा है। कहने को विपक्षी पार्टियां बता रही हैं कि आम लोग सरकार से नाराज हैं, महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त हैं और इसलिए सत्ता विरोध की लहर है। हालांकि जमीन पर ऐसा कुछ नहीं दिख रहा है। सत्ता विरोध प्रत्यक्ष नहीं दिख रहा है। हो सकता है कि लोगों के मन में नाराजगी हो लेकिन वह नाराजगी भाजपा और मोदी के खिलाफ वोट में कितनी तब्दील होगी यह नहीं कहा जा सकता है। यह बात विपक्ष को भी पता है इसलिए ऊपरी तौर पर सत्ता विरोधी लहर की बात कही जा रही है लेकिन अंदरूनी रणनीति में जाति को मुख्य मुद्दा बनाने की तैयारी होती दिख रही है।

तभी कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियां जातियों की गिनती कराने और आरक्षण बढ़ाने की बात कर रही हैं। जातियों की गणना और आरक्षण का दायरा बढ़ाने की बात पर सभी पार्टियों में सहमति है और इस बात पर भी सहमति है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड? इस मुद्दे को हाईलाइट करें। हाल में दो जगह खड? ने इससे जुड़े बयान दिए। मध्य प्रदेश में उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तो जातियों की गिनती कराएगी। इसके बाद वे तेलंगाना में प्रचार करने गए तो वहां वादा किया कि कांग्रेस की सरकार बनी तो अनुसूचित जाति का आरक्षण बढ़ा कर 18 फीसदी और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण बढ़ा कर 12 फीसदी करेंगे। कर्नाटक में कांग्रेस पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह आरक्षण की सीमा 75 फीसदी तक ले जाएगी। सो, जाति और आरक्षण की जो राजनीति पहले बिहार और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा दिखती थी उसका विस्तार मध्य प्रदेश से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक दिखने लगा है।

यह जरूर है कि इस बार भी शुरुआत बिहार से ही हुई है। बिहार की सरकार ने तमाम कानूनी बाधाओं और राजनीतिक अड़चनों के बावजूद जातियों की गिनती कराई है। इसके बाद संभव है कि राज्य सरकार आरक्षण को लेकर कुछ बड़े फैसले करे। मसलन आरक्षण की सीमा बढ़ाई जा सकती है, आरक्षण के भीतर आरक्षण का दायरा बढ़ सकता है, निजी सेक्टर में आरक्षण के बारे में स्टैंड तय किया जा सकता है और न्यायपालिका में आरक्षण का दबाव बढ़ाया जा सकता है। यह सब जातियों के आंकड़े आने के बाद होगा। पारंपरिक अनुमान के मुताबिक बिहार में 54 फीसदी आबादी अन्य पिछड़ी जाति की है। सो, आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार बढ़ेगी। वहां से यह मुद्दा पूरे देश में जाएगा और अगले चुनाव का मुख्य मुद्दा बनेगा। भाजपा को इसका अंदाजा है इसलिए केंद्र ने इसके वैधानिक पक्ष पर अपनी राय रखते हुए सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में कहा कि जनगणना का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार को है। हालांकि बाद में सरकार ने यह हलफनामा वापस ले लिया, जिससे लगता है कि भाजपा खुद इस मामले में दुविधा में है।

बहरहाल, ऐसा नहीं है कि भाजपा इस राजनीति में बहुत पीछे है। वह पहले से पिछड़ी जातियों और उसमें भी अन्य पिछड़ी जातियों में काम कर रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों में अत्यंत पिछड़ी जातियों के बीच भाजपा का वोट आधार बढ़ा है। सीएसडीएस के आंकड़ों के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में दबंग या मजबूत पिछड़ी जातियों का 40 फीसदी वोट भाजपा को मिला, जबकि अत्यंत पिछड़ी जातियों का 48 फीसदी वोट भाजपा को गया। धीरे धीरे यह परिघटना मजबूत हुई है। मुख्य रूप से इसके दो कारण हैं। पहला तो यह है कि नरेंद्र मोदी पहले दिन से बहुत व्यवस्थित तरीके से इस बात का प्रचार कर रहे हैं कि वे अत्यंत पिछड़ी जाति से आते हैं। अपनी जाति बताने के साथ साथ वे अपनी सरकार में पिछड़ी जातियों, दलित व आदिवासियों का प्रतिनिधित्व बढ़ाते गए हैं। साथ ही इसकी जानकारी भी सार्वजनिक रूप से देते गए हैं। सो, अत्यंत पिछड़ी जातियों के बीच यह मैसेज गया है कि मोदी ने उनको सत्ता में हिस्सेदारी दी है। दूसरा कारण राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ द्वारा जमीनी स्तर पर किया गया काम है। बिहार, उत्तर प्रदेश या कुछ और हिंदी भाषी राज्यों में पिछले 10 साल में गैर यादव जिन जातियों का उभार देखने को मिला है उसके पीछे कहीं न कहीं संघ और भाजपा की मेहनत है। बिहार और उत्तर प्रदेश में निषाद नेताओं का उभार इसकी मिसाल है। इसके अलावा कुर्मी, कोईरी, राजभर जैसी जातियों की पार्टियां बनी हैं और इन समाजों में सत्ता में हिस्सेदारी की ललक पैदा हुई है। ओबीसी की कमजोर जातियों को ध्यान में रख कर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से साढ़े 13 हजार करोड़ रुपए के विश्वकर्मा योजना की घोषणा की। इसका लाभ लोहार, बढ़ई, नाई, चर्मकार जैसे सामाजिक व आर्थिक रूप से अत्यंत पिछड़ी जातियों को मिलेगा। सो, भाजपा अत्यंत पिछड़ी जातियों में अपनी पकड़ मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है।

देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस इस राजनीति का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है। इसका कारण यह है कि पिछड़ी जातियों के बीच कांग्रेस अपना आधार पिछले दो दशक से खोती जा रही है। उसका यही आधार प्रादेशिक पार्टियों को गया है, जो आज उसकी सहयोगी हैं। यह कमाल का विरोधाभास है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद भी कांग्रेस को 1996 तक अन्य पिछड़ी जातियों का एक चौथाई यानी 25 फीसदी वोट मिलता रहा था। लेकिन अब वह घट कर 13-14 फीसदी रह गया है।

ध्यान रहे कुल आबादी में 30 फीसदी अत्यंत पिछड़ी जातियां हैं। यानी पिछड़ी आबादी में आधे से ज्यादा हिस्सा उनका है। इनमें भाजपा ने अपना मजबूत आधार बनाया है। समूचे हिंदी भाषी क्षेत्र में बिहार एकमात्र राज्य है, जहां नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का अत्यंत पिछड़ी जातियों में मजबूत आधार है। यही कारण है कि भाजपा को बिहार में नीतीश की जरूरत महसूस होती रहती है। अब गैर यादव दूसरी जातियों के नेताओं के साथ लेकर भाजपा वहां स्वतंत्र रूप से अपना वोट आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है लेकिन उसमें बहुत कामयाबी नहीं मिल पाई है। भाजपा को पता है कि उसे दबंग पिछड़ी जातियों की बजाय कमजोर पिछड़ी जातियों पर काम करना है। विपक्षी पार्टियां भी इसी समूह को लक्ष्य कर रही हैं। सो, यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन पहला दांव चलता है जस्टिस रोहिणी आयोग ने आंखें खोलने वाली रिपोर्ट दी है। उसने बताया है कि आरक्षण का पूरा लाभ दबंग पिछड़ी जातियों को मिला है। देश की 37 सौ जातियों में से नौ सौ से ज्यादा जातियां ऐसी हैं, जिनको एक भी नौकरी आरक्षण के तहत नहीं मिली। अगर इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार दायरा बढ़ा कर अत्यंत पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण के भीतर आरक्षण करे तो वह बड़ा दांव होगा। विपक्षी पार्टियों को उससे पहले अपना दांव चलना होगा।

सू- दोकू क्र.039

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.38का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

गबोन में 56 साला बोंगो राज खत्म

श्रुति व्यास

एक और अफ्रीकी देश, एक और प्रजातंत्र की लौ, कल बुझ गई। देश का नाम है गबोन।

अफ्रीका के पश्चिमी तट के गबोन में शनिवार को एक नई चुनाव प्रणाली के अंतर्गत एक ही बैलट के जरिए संसद सदस्यों और राष्ट्रपति को चुनने के लिए मतदान हुआ। राष्ट्रपति अली बोंगो, जो सात-सात साल के दो कार्यकाल पूरे कर चुके हैं, तीसरे कार्यकाल के लिए प्रत्याशी थे। इस देश में सन् 1960 में फ्रांस से आजाद होने के बाद से केवल तीन राष्ट्रपति हुए हैं। अली बोंगो के पिता उमर बोंगो अपनी मृत्यु तक 2009 में राष्ट्रपति थे। उन्होंने चालीस साल से अधिक समय तक राज किया। सन 1967 से 2009 तक चला अली बोंगो का राज बहुत सख्त था।

उनकी मौत के बाद उनके पुत्र, जो उस समय रक्षा मंत्री थे, सत्ता पर काबिज हुए। तब से कल तक उनका राज रहा। इस तरह बोंगो परिवार 56 साल से गबोन पर शासन कर रहा है। चूंकि देश में राष्ट्रपति के कार्यकालो की कोई सीमा नहीं है इसलिए डर यह था कि इस मध्य अफ्रीकी देश में सालों-साल एक ही परिवार का राज चलता रहेगा।

तभी चुनावी प्रोग्राम की घोषणा होते ही 19 उम्मीदवार राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो गए। किंतु 18 अगस्त को एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए छह उम्मीदवारों ने आल्टेरेंस 2023 नाम से गठबंधन बनाकर ओनडो ओसा को अपना संयुक्त उम्मीदवार घोषित करके कहा कि 卐गबोन, बोंगो परिवार की बपौती नहीं है卐। ऐसी खबरें थी कि देश की जनता भी बदलाव चाहती थी और बोंगो परिवार के बाहर का राष्ट्रपति देखना चाहती थी।

तेल-आधारित इकॉनमी वाले गबोन को आर्थिक विकास की संभावनाओं वाला देश माना जाता रहा है। किंतु वह भयावह भ्रष्टाचार से ग्रस्त रहा है। सन् 2022 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने भ्रष्ट देशो की 180 देशों की लिस्ट में उसे 124वें स्थान पर रखा। गबोन की 25 लाख की आबादी में से एक-तिहाई मुफलिसी में जीने को मजबूर है और महाद्वीप के सबसे अधिक प्रति व्यक्ति जीडीपी वाले देशों में से एक होने के बावजूद वहां मूलभूत सामाजिक सेवाओं की स्थिति दयनीय है।

जहां तक राष्ट्रपति का प्रश्न है, वे पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण के लिए नियम बनाने और ओवेंडों व्यावसायिक बंदरगाह के विकास को अपने कार्यकाल की उपलब्धियों के तौर पर गिनाते हैं। लेकिन उनके आलोचकों का दावा है कि उन्होंने इसके अलावा कुछ खास नहीं किया है। साथ ही बोंगो परिवार कई बड़े घोटालों के आरोपों से घिरा रहा है, जिनमें सबसे ताज़ा मामले में जुलाई 2022 में राष्ट्रपति के पांच भाई-बहनों को फ्रांसीसी जांच में सरकारी खजाने में गबन और काले धन को सफेद बनाने का दोषी पाया गया। राष्ट्रपति की सेहत को लेकर भी चिंताएं थी। उनमें देश का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक शारीरिक और मानसिक क्षमता है या नहीं, इस पर भी सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं।

इस सबके बावजूद अली बोंगो ने तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव में 64.27 प्रतिशत वोटों के साथ जीत हासिल की। यह घोषणा गबोन के इलेक्शन सेंटर ने बुधवार को की। विपक्ष द्वारा चुनाव में घपलों के आरोप लगाए जाने के कारण घोषणा होने में काफी देरी हुई। बोंगो के निकटतम प्रतिद्वंदी ओनडो ओसा, 30.77 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे। लेकिन शनिवार को राष्ट्रपति, संसद और प्रांतीय संस्थाओं के लिए हुए मतदान के बाद हिंसा भड?ने के डर के कारण स्थिति बहुत तनावपूर्ण थी क्योंकि तेल और कोको के मामले में समृद्ध किंतु गरीबी झेल रहे इस देश में विपक्ष बदलाव के लिए प्रयासरत था।

लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के कुछ ही समय बाद सेना के अधिकारियों ने गबोन के राष्ट्रीय टेलीविजन् पर घोषणा की कि सेना देश का शासन संभाल रही है और शनिवार को हुए चुनाव के परिणामों को रद्द घोषित कर दिया गया। देश की सीमाओं को बंद कर दिया गया है। सभी संस्थाओं को भंग कर दिया गया है और सेना ने कहा है कि हमने शांति स्थापना की खातिर वर्तमान शासन को समाप्त करने का फैसला किया है।

इसका अर्थ है बोंगो परिवार के 56 साल के राज का खात्मा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शिष्टाचार भेंट की।

एक और मिला सर कुचला शव, 24 घटे में तीन हत्यायें

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्रांर्तगत आर्यनगर चौक पर आज सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का सर कुचला हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गयी है।

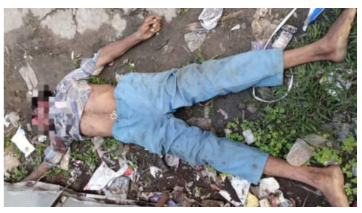

जानकारी के अनुसार कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र में स्थित आर्य नगर चौक के पास लकड़ी की टाल के सामने आज सुबह एक अज्ञात शव बरामद हुआ है। जिसकी सूचना पास में स्थित पावर इलेक्ट्रॉनिक ऑफिस के कर्मचारी राहुल पुत्र विजय कुमार रोहिल्ला द्वारा पुलिस को दी गई। शव किसी मजदूरी का कार्य करने वाले व्यक्ति का लग रहा है। जिसका सर कुचला होने से उसकी हत्या की आंशका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस शव की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है वहीं मौके पर एग्जिट व एंट्री प्वाइंटों के सीसीटीवी कैमरे चैक किये जा रहे है। धर्मनगरी हरिद्वार में बीते 24 घंटो के अंदर तीन हत्याये हो चुकी है। जिनमें से एक हत्या का खुलासा कर पुलिस ने आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है। जबकि देर रात दूसरी हत्या बैरागी कैंप क्षेत्र में हुई है। जिसमें अज्ञात बदमाशों द्वारा एक वृद्ध की गला रेतकर हत्या कर दी गयी थी। अभी इन हत्याओं से पुलिस प्रशासन जूझ ही रहा था कि आज सुबह हरिद्वार वासियों के जागने से पहले हुई तीसरी हत्या से धर्मनगरी दहल गई हैं। बता दें कि आर्यनगर चौक पर मिले शव को लेकर पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष बतायी जा रही है। बहरहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है।

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपुर निवासी विरेन्द्र पांडे ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

रामनगर में कांग्रेस के हल्ला बोल कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत व अन्य।

उत्तराखंड को 141 पीएम श्री स्कूल्स..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

तथा उधम सिंह नगर सहित छात्रावासों का शिलान्यास किया गया है। सुभाष चंद्र बोस के नाम से बनने वाले इन छात्रावासों की घोषणा सीएम पहले ही कर चुके थें। इसके अलावा भी आज शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई योजनाओं को शुरू करने की घोषणा की गई है।

अब मदरसों में भी पढ़ाई जाएगी संस्कृत

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मदरसों में अब संस्कृत भी पढ़ाई जाएगी जल्द ही सूबे के सभी 117 मदरसों में अब अरबी और उर्दू की तरह संस्कृत भी पढ़ाई जाएगी। इस आशय की जानकारी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स द्वारा दी गई है।

उनका कहना है कि राज्य के सभी मदरसों को मॉडर्न शिक्षा से जोड़ने का काम शुरू किया जा रहा है जिसके तहत मदरसों में एनसीईआरटी सिलेबस लागू किया जा रहा है। उनका कहना है कि एनसीईआरटी के सिलेबस में अब अंग्रेजी, केमिस्ट्री, मैथ और फिजिक्स के साथ संस्कृत भी है तो हमें संस्कृत पढ़ने में क्यों ऐतराज होना चाहिए। उनका कहना है कि हम अगर विकास चाहते हैं तो हमें समय के साथ चलना ही होगा। उनका कहना है कि हमारे बच्चे भी संस्कृत पढ़े हम इसके लिए तैयार है।

उनका कहना है कि तालीम किसी भी सूरत में बुराई नहीं हो सकती। जहां तक भाषा पढ़ने या सीखने की बात है

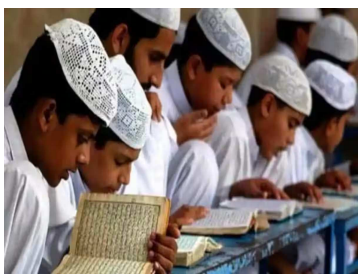

❑सभी मदरसों में लागू होगा एनसीईआरटी सिलेबस
❑आधुनिक शिक्षा से ही विकास संभवः शम्स

अगर कोई हिंदी, अंग्रेजी, अरबी और उर्दू के साथ संस्कृत भी पढ़ना लिखना जानता है तो यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि अगर देवभूमि के बच्चे संस्कृत नहीं पढ़ेंगे तो कहां के बच्चे संस्कृत पढ़ेगे। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी 117 मदरसों में जल्द एनसीईआरटी का सिलेबस लागू होगा। पहले चरण में चार मदरसों को मॉडर्न मदरसों के लिए चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि देहरादून, हरिद्वार और उधमसिंह नगर के मदरसों में प्रथम चरण में एनसीईआरटी का सिलेबस लागू किया जा रहा है।

उनसे जब इस बारे में पूछा गया कि जब मुस्लिम धर्म गुरुओं द्वारा सूर्य नमस्कार का विरोध किया जा सकता है तो क्या वह मुस्लिम बच्चों को संस्कृत पढ़ाये जाने का विरोध नहीं करेंगे। इसके जवाब में उनका कहना है कि जिनका काम सिर्फ विरोध करना है वह तो विरोध करेंगे ही आप चाहे कोई भी काम करें उन्हें विरोध करना ही है। हमें इसकी ज्यादा फिक्र करने की जरूरत नहीं है। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे भी आधुनिक शिक्षा ग्रहण करें उनके एक हाथ में लैपटॉप और दूसरे में कुरान हो तथा वह भी अन्य बच्चों की तरह पढ़ लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर व वैज्ञानिक बने। जब तक हर जाति, धर्म, वर्ग के बच्चों को आधुनिक व मॉडर्न शिक्षा से नहीं जोड़ा जाएगा तब तक देश को विश्व गुरु नहीं बनाया जा सकता है। बेहतर तालीम कभी किसी के लिए नुकसान देय नहीं हो सकती है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भरत विहार निवासी विजय अग्रवाल हरिद्वार रोड से घर की तरफ आ रहे थे तभी अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। आसपास के लोगों ने उनको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पार्सल डिएक्टिव के नाम पर ठगे एक लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। पार्सल डिएक्टिव के नाम पर एक लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीस बीघा बापू ग्राम निवास मोहन चंद्र विद्यासागर भटट ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके नाम से किसी परिचित द्वारा झारखंड देवघर से 28 जुलाई 2023 को एक पार्सल भेजा गया। जो ओनडाट कोरियर से भेजा गया, जिसके संबंध में 11 अगस्त 2023 को काल आई कि उसका पार्सल डिएक्टिव हो गया है जिसे एक्टिव कराने हेतु 05 रूपये का पेमेंट करने को कहा गया उसने असमर्थता जताने पर कहा गया कि उसका पार्सल पेंडिंग में डाल दिया जाएगा। इसलिए वह पेमेंट करें तत्पश्चात एक कोरियर एप्लीकेशन नाम से एक लिंक भेजा गया जिसमें उसने 05 रूपये पेमेंट किया ,उसके बाद एक ओटीपी आया उसके कहने पर उसने उसे बता दिया फिर एक्टिव हो गया बताया गया लेकिन कुछ देर बाद फिर काल आती है कहां जाता है कि एक्टिव नहीं हो पाया एक दो मैसेज आएंगे उसे आप फारवर्ड करें जो अज्ञानता भूल बस कर दिया गया। जिसके बाद उसके खाते से दो बार में 99 हजार 863 रूपये निकल गये। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारियों को प्रसूति अवकाश देने पर सीएम का आभार जताया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विभागीय एवं आउटसोर्सिंग समस्त महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश देने पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने जताया आभार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राज्य सरकार के अधीन विभागों में विभागीय एवं आउटसोर्सिंग के माध्यम से दैनिक वेतन पर नियोजित महिलाओं को सेवा प्रदाता संस्था द्वारा प्रसूति अवकाश की सुविधा अनुमन्य की गई है। यह बहुत ही सराहनीय निर्णय है।

महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने बताया कि महिला आयोग ने इस संबंध में 15 सितम्बर 2022 को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से कैम्प कार्यालय में मिलकर सभी विभागीय व आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारियों को भी मातृत्व अवकाश दिए जाने के लिए

निवेदन किया था और इस सम्बन्ध में पत्र भी लिखा था जिसपर मुख्यमंत्री ने कहा था कि मैं हर माँ की उस पीड़ा को समझ सकता हूँ जो उसे बच्चे के जन्म के समय होती है जिसके लिए उसे अपने कार्यालय से छुट्टी भी नही मिल पाती है। और नवजात की देखभाल सही से नही हो पाती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा था कि वो जल्द सभी विभागीय एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी बहनों को गर्भवती होने की स्थिति में मातृत्व अवकाश दिलाने का काम करेंगे और आज वो खुशी का दिन आया है जिसके बाद विभागीय एवं आउटसोर्सिंग समस्त महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश का लाभ मिल सकेगा।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का धन्यवाद करते हुए कहा है कि आपने महिला आयोग की ओर से किये गए निवेदन को स्वीकारते हुए राज्य की विभिन्न विभागीय व आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारियों के हित की चिन्ता करते हुए जो यह सराहनीय व भावानात्मक फैसला लिया है यह समस्त कर्मचारी मातृशक्ति के लिए तोहफे से कम नही है। उन्होंने कहा कि वो राज्य की विभागीय व आउटसोर्सिंग महिला कर्मचारियों की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी का आभार व्यकत करती हूं और साथ ही सभी को बधाई व शुभकामनाएं देती हूं। यह बहुत ही संवेदनशील निर्णय है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

एक नजर

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर ट्रक के खाई में गिरने से 4 लोगों की मौत

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर एक ट्रक भूस्खलन की चपेट में आकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, ट्रक श्रीनगर से जम्मू जा रहा था। शेरबीबी इलाके में पहुंचते ही पहाड़ से एक भारी बोल्डर गिरा और सीधे ट्रक से टकरा गया। इस वजह से ट्रक सीधे कई फीट नीचे गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे की वजह से जम्मू-श्रीनगर हाइवे ब्लॉक हो गया है। दोनों तरफ से ट्रैफिक को रोक दिया गया है और लोगों को फिलहाल इस रूट पर ना आने की सलाह दी गई है। रेस्क्यू टीम ने सभी 4 शवों को निकाल लिया है और बोल्डर को हटाने का काम चल रहा है। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और ट्रक में सवार सभी चार लोगों के शवों को निकाल लिया गया है। मृतकों की पहचान कुलगाम के ट्रक चालक मोहम्मद अफजल गारू (42), उनके भाई अल्ताफ गारू (36), अनंतनाग के इरफान अहमद (33) और उनके भाई शौकत अहमद (29) के रूप में हुई है। ट्रक में घरेलू इस्तेमाल के लिए ले जाए जा रहे 6 मवेशी भी लदे थे। हादसे में सभी मारे गए।

मोनू मानेसर को हरियाणा पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। नूंह हिंसा और तीन मुस्लिम पुरुषों की हत्याओं से संबंधित मामलों में फरार गोरक्षक मोनू मानेसर को आज पुलिस ने गुरुग्राम से हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि हरियाणा पुलिस ने मोनू को हिरासत में ले लिया और अब उसे राजस्थान पुलिस को सौंपा जाएगा। मोनू मानेसर की हिरासत का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें पुलिस जाल बिछा कर आरोपी को पकड़ लेती है। मोनू मानेसर पर दो युवकों जुनैद (35) और नासिर (27) की मौत के मामले में मुख्य आरोपी है। जिनके जले हुए शव 16 फरवरी को हरियाणा के भिवानी में एक कार में पाए गए थे। इन दो लोगों की हत्या को लेकर दर्ज एफआईआर में नामजद आरोपी वह 21 में से एक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पिछले सात महीने से फरार था। इसलिए रिपोर्ट्स के मुताबिक हरियाणा पुलिस उसे राजस्थान पुलिस को सौंपने की तैयारी कर रही है। मोहित यादव उर्फ मोनू मानेसर, हरियाणा में बजरंग दल की गौरक्षक इकाई गोरक्षा दल का प्रमुख है। इसके अलावा, मोनू कथित तौर पर हरियाणा और राजस्थान में पशु तस्करों के खिलाफ बजरंग दल के अभियान का नेतृत्व कर रहा है। वह गुरुग्राम में बजरंग दल के जिला संयोजक भी हैं। हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है कि नूंह जिले में एक धार्मिक जुलूस के दौरान सांप्रदायिक झड़पें हुईं। अफवाहें फैलने के बाद कि भिवानी हत्याओं का मुख्य आरोपी फरार गोरक्षक मोनू मानेसर भी इस कार्यक्रम में शामिल होगा।

फ्लैट घोटाला: टीएमसी सांसद नुसरत जहां ईडी के सामने पेश हुईं

नई दिल्ली। बंगाली फिल्मों की एक्ट्रेस और टीएमसी की सांसद नुसरत जहां मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुईं। ईडी ने नुसरत जहां को कोलकाता के कथित फ्लैट घोटाले के मामले में समन किया था। ऐसे में आइए जानते हैं कि क्या है ये घोटाला और इसमें नुसरत जहां का क्या कनेक्शन है। दरअसल, वरिष्ठ नागरिकों के एक ग्रुप ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि एक रियल इस्टेट कंपनी 7 सेंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने कोलकाता के न्यू टाउन में उन्हें फ्लैट देने का वादा कर उनके साथ धोखाधड़ी की। शिकायत में कहा गया कि कंपनी ने उन्हें सस्ते दाम पर फ्लैट देने का वादा किया और इसके बाद उनसे करोड़ों रुपए हड़प लिए। आरोप है कि जिस कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई, नुसरत जहां उस कंपनी की पूर्व डायरेक्टर हैं। इसके बाद ईडी ने इस मामले में नुसरत जहां के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इस मामले में अब राजनीति भी तेज हो गई है और भारतीय जनता पार्टी ने नुसरत जहां पर सीधा हमला बोला है। भाजपा नेता शंकुदेब पांडा ने आरोप लगाया कि नुसरत जहां ने अपार्टमेंट बेचने का वादा कर लोगों से लाखों रुपए की ठगी की। भाजपा की प्रदेश सचिव अग्निमित्रा पॉल ने कहा, ये मोदी करकार है, आप चाहे सीएम हों, नेता हों या फिर फिल्म स्टार हो, अगर आपने लोगों को ठगा है तो फिर बचने वाले नहीं हैं।

मसूरी के होटल में हुई युवक की हत्या का खुलासा, भाई-बहन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। मसूरी के होटल में युवक की गला रेतकर की गयी हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों (भाई-बहन) को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से मृतक की कार व हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है। आरोपियों ने युवक की हत्या प्रेम प्रसंग में धोखा दिये जाने को लेकर की थी।

डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि बीती 10 सितम्बर को मसूरी के एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति के गला रेत कर हत्या किये जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। जांच के दौरान सामने आया कि होटल में मृतक युवक द्वारा ही अपनी आईडी पर ही कमरा लिया गया था तथाा मृतक के साथ एक लड़का और एक लड़की भी आये थे। मृतक की शिनाख्त कपिल चौधरी पुत्र सत्य चौधरी निवासी आदर्श नगर रुड़की के रुप में हुयी। जिस पर पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों को सूचित किया गया। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान सामने आया कि 9 सिंतम्बर को मृतक के साथ कार में एक लड़का व लड़की आये थे

❑प्रेम प्रसंग में धोखा दिये जाने पर की गयी थी युवक की हत्या

तथा 10 सितम्बर को सुबह केवल एक लड़का व एक लड़की का कार से फरार हुए। जब मृतक के परिजनों को सीसीफुटेज दिखायी तो उन्होने बताया कि लड़की दिल्ली निवासी कुदरत है। जिस पर पुलिस दिल्ली पहुंची तो वहां पता चला कि कुदरत अपने भाई अब्दुल्ला के साथ फरार हो गयी है। जिस पर पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी। जिन्हे आज सुबह एक सूचना के बाद हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया गया। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना मे प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। पूछताछ में आरोपी कुदरत द्वारा बताया गया कि अब्दुल्ला मेरा सगा भाई है। कपिल चौधरी निवासी न्यू आदर्श नगर रूड़की मुझे दिल्ली में करोलबाग मार्केट में पहली बार करीब दो साल पहले मोबाईल की दुकान में मिला था। जहां से हमारी बातचीत शुरू हुई। हम एक दूसरे को चाहने लगे। कपिल अक्सर दिल्ली आकर मुझ से मिलता था। कपिल ने मुझसे शादी करने का वादा किया था लेकिन अब वह अपने घरवालों के कहने पर कहीं और शादी करने जा रहा था। जिस बात से मै और मेरा छोटा भाई अब्दुल्ला नाराज थे और हमने उसकी हत्या करने की ठान ली थी। योजना के तहत हम हरिद्वार पहुंचे और कपिल के साथ मसूरी आ गये। जहां होटल में हमने उसकी सोते समय हत्या कर दी। जिसके बाद हम कपिल की कार लेकर फरार हो गये। आज हम उसकी कार ले जाने के लिए हरिद्वार वापस आये थे पर पुलिस ने हमे पकड़ लिया। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

विद्यालय में हुई छात्राओं से छेड़छाड, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगनर। खटीमा नगर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की छात्राओं के साथ ड्रेस की नाप लेने के नाम पर छेड़छाड़ एवं अभद्रता की गई। जिसके विरोध में आक्रोशित अभिभावकों ने विद्यालय पहुंच कर हंगामा काटा। जिसके बाद विद्यालय प्रशासन ने विद्यालय स्टाफ के तीन सदस्यों को मामले में संलिप्त होने एवं काम में लापरवाही बरतने के आरोप में संस्पेंड कर दिया है। वहीं मामले की तहरीर मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि खटीमा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में छात्राओं की ड्रेस बनाई जानी थी। जिसके लिए खटीमा नगर के सिद्धार्थ गारमेंट्स से एक सहायक प्रतीक तिवारी के साथ दो दर्जी मोहम्मद कुमार एवं मोहम्मद शकील विद्यालय में बुलाए गए जिनके द्वारा ड्रेस की नाप लेने के नाम पर छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की गई। इस दौरान विद्यालय के तीन स्टाफ कर्मचारियों अशोक आर्य, ममता खोलिया और चंद्रशेखर भी मौके पर मौजूद थे। जिन्होंने छात्राओं के विरोध के बावजूद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। घटना की जानकारी होने पर आक्रोशित अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर विद्यालय प्रशासन का घेराव कर दिया और जमकर नारेबाजी की।

छात्राओं के अभिभावको के द्वारा विद्यालय में हंगामा काटे जाने की सूचना पर उप जिलाधिकारी रविंद्र बिष्ट तुरंत मौके पर पहुंचे और अभिभावकों को समझा बुझा कर शांत किया। अभिभावकों ने मामले में दोषी दर्जीयों सहित मौके पर मौजूद स्कूल स्टाफ के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही किए जाने की मांग की। जिस पर उपजिलाधिकारी ने अभिभावकों को मामले में उचित कार्यवाही किए जाने का आश्वासन देते हुए विद्यालय प्रशासन को मामले में लिप्त अध्यापकों को तुरंत सस्पेंड किए जाने एवं विद्यालय प्रशासन द्वारा मामले की एफआईआर दर्ज कराए जाने के निर्देश भी दिए गए।

वहीं एकलव्य विद्यालय में छात्राओं के साथ हुई छेड़छाड़ की सूचना पर उप नेता प्रतिपक्ष एवं खटीमा विधायक भुवन कापड़ी भी विद्यालय पहुंचे और अभिभावकों से पूरे मामले की जानकारी ली। विधायक भुवन कापड़ी ने भी विद्यालय प्रशासन से मामले की पुलिस रिपोर्ट दर्ज करा कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने की मांग की। वही अभिभावक संघ के द्वारा खटीमा कोतवाली में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वही इस मामले में सिद्धार्थ गारमेंट के स्वामी संजय सिद्धार्थ ने कहा कि नाप जोक की पूरी कार्यवाही सीसीटीवी कैमरे के सामने हुई है जो भी सत्य होगा वह जांच में आ जाएगा। हमारे कर्मचारी अगर दोषी पाए जाते हैं तो कानून अपना काम करेगा।

नाम परिवर्तन

मैं, नीलाद्रि शेखर डे, पुत्र अमल कुमार डे पुष्टि करता हूं कि मेरे बेटे देवस्या डे का जन्म 4/06/2015 को हुआ था। हालाँकि उन्हें उनके पहले नाम देवस्य से भी जाना जाता है और कुछ दस्तावेजों में यह उनके नाम के रूप में दर्ज है। देवस्य और देवस्य डे दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं। हालाँकि, न्याय के हित में, मैं सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करता हूँ कि सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए सभी प्रासंगिक अभिलेखों में उनके नाम को उनके पूर्ण नाम देवस्य डे में सुधार किया जाए और अब से उन्हें उनके पूर्ण नाम देवस्य डे से ही जाना जाए।

नीलाद्री शेखर डे
पुत्र अमल कुमार डे
पता- ई-2, कासा टेरेजा,
कैनाल रोड, शिप्रा विहार, इंडेन गैस
गोदाम के पास, देहरादून।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।